वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 258 | सोमवार 15 जनवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सशस्त्र सेना भूतपूर्व सैनिक दिवस आयोजित

सैनिक सीमाओं के सजग प्रहरी ही नहीं राष्ट्र के प्रति त्याग और समर्पण के भी प्रतीक

सैनिकों एवं परिजनों की सेवाओं का सब मिलकर करें सम्मान : राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि सैनिक हमारे देश की सीमाओं के सजग प्रहरी ही नहीं हैं, वे त्याग और समर्पण के प्रतीक भी हैं। उन्होंने राष्ट्र के लिए सर्वस्व अर्पित करने वाले पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के लिए सभी को हर संभव सहयोग करने और उनकी सेवाओं का सम्मान करने का आह्वान किया है। मिश्र रविवार को आठवें सशस्त्र सेना भूतपूर्व सैनिक दिवस पर सेना के सप्तशक्ति प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ फील्ड मार्शल केएम करियप्पा की सेवाओं को भी इस अवसर पर विशेष रूप से स्मरण किया। उन्होंने कहा कि करियप्पा ने राष्ट्र की सेवा में जो निस्वार्थ सेवाएं दी हैं, वह सदा स्मरणीय रहेगी। उनकी सेवानिवृति दिवस को इसीलिए सशस्त्र सेना भूतपूर्व सैनिक दिवस के रूप में मनाने की पहल की गयी है। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि सैनिक केवल अपने परिवार के बारे में नहीं सोचता बल्कि देश और समाज को सुरक्षित रखने की सदा चिंता करता है। उन्होंने कवि माखनलाल चतुर्वेदी की 'पुष्प की अभिलाषा' कविता की पंक्तियों को सुनाते हुए कहा कि जिस तरह पुष्प की अभिलाषा वीर सैनिकों के पथ पर अपने को फेंके जाने की है, वैसे ही सैनिकों की कामना भी यही रहती है कि वे राष्ट्र के लिए अपने आपको अर्पित करें। उन्होंने सैनिक कल्याण के लिए क्रियान्वित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, पूर्व सैनिक पेंशन और अन्य सुविधाओं को समयबद्ध और सुगम ढंग से उन तक पहुंचाए जाने और उनके कल्याण के लिए

सुनियोजित तंत्र के तहत कार्य करने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सेना से जुड़े अपने संस्मरण साझा करते हुए कहा कि सैनिकों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ सभी स्तरों पर उनके लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने सैनिक कल्याण विभाग के जरिए व्यावहारिक स्तर पर कार्य करते हुए सैन्य सेवाओं की समृद्धि के लिए कार्य करने का विश्वास दिलाया। राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी ने सेना और सैनिकों के पराक्रम को स्मरण करते हुए कहा कि सैनिक साहस और वीरता के पर्याय होते हैं, उनसे सीख लेते हुए राष्ट्र के लिए सभी को कृतसंकल्प होकर कार्य करना चाहिए। सैनिक कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। दक्षिण पश्चिमी कमांड के ले. जनरल धीरज सेठ ने पूर्व सैनिकों के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में अवगत कराया। इस अवसर पर राज्यपाल और सैनिक कल्याण मंत्री तथा राज्य मंत्री द्वारा वीरांगनाओं, वीर माता-पिता एवं वीरता तथा विशिष्ट पदक धारकों को सम्मानित किया गया। इससे पहले राज्यपाल ने सभी को संविधान की उद्देशिका का वाचन कराया तथा मूल कर्तव्यों को पढ़कर सुनाया।

सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ को भी राज्यपाल मिश्र ने किया सम्मानित

राज्यपाल मिश्र ने सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ को भी पूर्व सैनिक के नाते उनकी राष्ट्र को दी सेवाओं के लिए समारोह में सम्मानित किया।

पुष्प चक्र अर्पित कर सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

राज्यपाल ने सप्त शक्ति सेना क्षेत्र में पूर्व सैनिकों की स्मृति में पुष्प चक्र अर्पित उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने आगंतुक पुस्तिका में सैनिकों की शहादत को नमन करते हुए राष्ट्र के प्रति उनके सेवा-समर्पण भाव के प्रति अपनी शब्द कृतज्ञता प्रकट की।

मंदिर के पास गंदगी का अंबार, जिम्मेदार बने अंजान

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

ग्वालियर । कोटेश्वर रोड पर स्थित सिद्धाचल पर्वत जैन मंदिर पर गंदगी का अंबार लगा रहता है। कभी कबार नगर निगम के कर्मचारी सफाई करने आते हैं।खास बात यह है कि कूड़ा घर मंदिर के निकट बना हुआ है। पूजा-अर्चना करने आने वाले लोगों को पहले कूड़े के दर्शन करने पड़ते हैं,जिससे उनकी धार्मिक आस्था को भी ठेस पहुंच रही है। पर्वत तक पहुंचने तक रास्ते भर में गंदगी ही मिलती है।मुंह मारते बेसहारा पशु अफसरों के स्वच्छता अभियान की पोल खोल रहे हैं। आसपास के लोग बताते हैं कि सारे मोहल्ले का कचरा यही इकट्ठा करके फेंक दिया जाता है। जिससे बाहर से आने वाले पर्यटक और जैन धर्मलंबी उनको पहले कचरे के दर्शन करने पड़ते हैं और कचरे से होकर गुजरना पड़ता है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अभी हाल में ही 14 से 21 जनवरी तक मंदिरों में स्वच्छता अभियान का आह्वान किया गया है। जिसका भी असर यहां दिखता नजर नहीं आ रहा है।सिद्धाचल पर्वत जैन मंदिर लगभग 1000 वर्ष से पुराना बताया जाता है।

रंगारंग कार्यक्रमों के खिल उठा 'अभिव्यक्ति' सितारों की रात 2024 वार्षिकोत्सव

देश विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसरः मदन दिलावर

जयपुर. शाबाश इंडिया। बनीपार्क स्थित एसएसजी पारीक पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल में ''अभिव्यक्ति'' सितारों की रात 2024 वार्षिकोत्सव विद्यालय प्रांगण में रंगारंग कार्यक्रमों के बीच मनाया गया। इस मौके पर बच्चों ने आकर्षक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। संस्था के सचिव लक्ष्मीकांत पारीक ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर रहे। समारोह में छात्र-छात्राओं ने कत्थक, कालबेलिया, वही नृत्य कर उपस्थित सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में नन्हे बच्चों के द्वारा प्रस्तुत फ्यूजन डांस, रोबोटिक डांस से चारों तरफ तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा माहौल हर्षोल्लास से भर उठा। कार्यक्रम में प्रस्तुत म्यूजिकल नाटक एवं नृत्यों का आनंद सभी दर्शको ने लिया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि रहे शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि आज देश स्वामी विवेकानंद जी के बताये रास्ते पर चलकर विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है। दिलावर ने स्वामी विवेकानंद जी से जुड़े संस्मरणो को सुना छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। समारोह में उपाध्यक्ष एन. के.पारीक, कोषाध्यक्ष बुद्धिप्रकाश पारीक, संयुक्त सचिव गौरव पारीक, सदस्य के.के.पारीक,भगवती प्रसाद पारीक उपस्थित थे।अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या चंदा शर्मा ने गत वर्ष की उपलब्धियो का ब्यौरा देकर उपस्थित सभी को धन्यवाद दिया।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा कठपुतली नगर में पतंग व मिठाई वितरित की

जयपुर. शाबाश इंडिया

13 जनवरी को लोहड़ी व मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा कठपुतली नगर जयपुर की कच्ची बस्ती के लगभग 200 बच्चों में तिल के लड्डू, गजक, कुरकुरे, बिस्कुट के साथ साथ डोर, पतंग व ऊनी मोजे, रुमाल व कपड़े वितरित किये गए।

रोटरेक्ट क्लब ऐश्वर्या ने किया एनसीसी की राष्ट्रीय महिला साईकिल रैली का स्वागत

उदयपुर. शाबाश इंडिया

एनसीसी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर एनसीसी द्वारा आयोजित ''महिला सशक्ति अभेद्य सफर'' ध्येय को लेकर सूरत एवं बड़ौदा में सेकण्ड व थर्ड ईयर में अध्ययनरत एनसीसी की 13 केडेट्स छात्राएं कन्याकुमारी से दिल्ली तक के सफर के दौरान साईकिलिंग करते लेकसिटी पहुंची। उनका रोटरेक्ट क्लब ऐश्वर्या की ओर से फतहसागर पाल पर उपरना ओढ़ाकर एवं स्मृतिचिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। उसके बाद रैली अगले पड़ाव के लिए प्रस्थान कर गई। क्लब अध्यक्ष ऐश्वर्यासिंह ने बताया कि यह रैली केरल, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, दमन और दीव, गुजरात, राजस्थान और हरियाणा राज्यों से गुजरते हुए 28 जनवरी को दिल्ली पहुँचेगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित स्वागत मिलन में समारोह में भाग लेगी। इस अवसर पर ग्रुप कमाण्डर कर्नल भास्कर ने कहा कि रैली 32 दिनों में 3232 किमी लंबी यात्रा तय करेगी और प्रतिदिन औसतन 97 किमी प्रति दिन चलेगी। इस अवसर पर ब्रिगेडियर एनएस चाराग एसएम, कर्नल वीएम सिंह, सब मेजर भरत पाटिल, हवलदार अजीत कालेकर, एनके विरल पटेल, आरिफ काजी, अंकित पटेल, चेतन चौधरी, रक्षंदा कराहे मौजूद थे। क्लब सचिव सनय उपाधाय ने बताया कि इस अवसर पर रैली में भाग लेने वाले प्रतिभागी महिला सशक्तिकरण पर एक नाटक भी प्रस्तुत किया। रोटरैक्ट क्लब ऐश्वर्या, ट्राई फॉर्म फिटनेस, उदयपुर साइकिल क्लब, ऐश्वर्या कॉलेज विद्यार्थियों ने रैली का स्वागत किया और रैली गर्ल्स कैडेट्स को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में डॉ. सीमासिंह, भाजपा नेत्री सुषमा कुमावत सहित अनक गणमान्य मौजूद थे।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

जरूरतमंदों को तिल के लड्डू, वस्त्र आदि भेट किए

जयपुर. शाबाश इंडिया

14 जनवरी, रविवार को मकर संक्रान्ति के पावन पर्व पर यू मी एंड सियाराम और दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप वीर जयपुर ने सामाजिक सरोकार के सेवा कार्यों की कड़ी में पापड़ वाले हनुमान जी विद्याधर नगर एवं महादेव नगर बस्ती में 200 से अधिक जरूरतमंद, जिसमे महिलाऐं, पुरुष एवं छोटे झ बड़े बच्चे थे, उन सभी को वस्त्र, तिल के लड्डू, चॉकलेट एवं नमकीन आइटम आदि का वितरण किया। यू मी एंड सियाराम ग्रुप की रीना शर्मा और बाबा गौड़ ने बताया कि मकर संक्रांति के दान पुण्य के दिन को मानवता की सेवा कर मनाया गया। इस सेवा कार्य में दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप वीर के अध्यक्ष नीरज झ रेखा जैन का पूर्ण सहयोग मिला। इस मानव सेवा के कार्य में रीना शर्मा, बाबा गौड़,रेखा जैन, नीरज जैन, नवीन रोलीवाल, चेतन शर्मा, लालमोहन जी, आरोही गार्गी, खनक, मानवी, रितु मोदी, मीनू खंडेलवाल, नमिता पंवार, ममता शर्मा,राधा शर्मा आदि की उपस्तिथि रही।

घुटने, कूल्हे एवं कमर दर्द से पीड़ितों के लिए नि:शुल्क कैंप

उदयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, हिरण मगरी सेक्टर-4 में डॉ. प्रवीण नंदवाना के सानिध्य में घुटने, कूल्हे एवं कमर दर्द से पीड़ितों के लिये रविवार को निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन हुआ। मंदिर अध्यक्ष के. के. जैन ने बताया कि वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नंदवाना अब तक 12 हजार से अधिक कूल्हे एवम घुटनों के प्रत्यारोपण की सफल सर्जरी कर चुके हैं साथ ही वे समाज सेवा के लिए सदैव समर्पित रहते हैं। कैम्प संयोजक जयकुमार जैन ने कैंप में 30 से अधिक रोगियों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया गया। चिकित्सा शिविर के समापन पर श्री दिगंबर जैन दशा हुमड समाज संस्था के महासचिव बी. गोदावत एवं निर्माण सारथी अनिल दोशी ने डॉक्टर प्रवीण नंदवाना का पगड़ी एवं उपरना पहनाकर स्वागत किया। **रिपोर्ट/फोटो : दिनेश शर्मा, अर्जेंट स्टूडियो**

अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का भव्य मंगल प्रवेश

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। सुभाष नगर स्थित श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रांगण में अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। प्रातः प्रतिमाओं पर अभिषेक, शांतिधारा, पूजा-अर्चना करने के उपरांत धर्म सभा आयोजित की गई। जिसमें अकलंक जैन प्रतिष्ठाचार्य ने भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या में गणिनीआर्यिका शिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा, आशीर्वाद से अयोध्या तीर्थ का समुचित विकास हो रहा है। इसकी कई योजनाओं के बारे में बताया। इस दौरान प्रमुख पात्रों के चयन में ओम प्रकाश, अशोक कुमार काटीवाल परिवार सौधर्म इंद्र, प्रवीण- कुसुम, प्रमोद- श्वेता कासलीवाल परिवार धन कुबेर बने। चिरंजीलाल, सुभाष पाटोदी परिवार पालना झुलाना एवं श्रीमती लाडबाई अजमेरा परिवार मंगल आरती करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। राजेंद्र, विवेक बाकलीवाल परिवार ने रजत शीला मंदिर विकास में रखने का सौभाग्य प्राप्त किया। एवं बड़ी संख्या में कई परिवारजनों ने ताम्रशील लेने का भी सौभाग्य प्राप्त किया। सभी प्रमुख पात्रों को तिलक लगाकर, दुपट्टा- मुकुट पहनकर धर्म चक्र एवं ज्ञानमती माताजी का कट आउट देकर सम्मान किया। इस उपरांत सभी इंद्र- इंद्राणियां अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ में विराजमान होकर बैंडबाजों की स्वर लहरियो में पुरुष, महिला, युवा नाचते जयकारा करते विभिन्न मार्गो से गुजरे। रास्ते में श्रद्धालुओं ने श्रीजी की आरती कर धन्य हुए। शोभायात्रा पुनः मंदिर प्रांगण पर पहुंची। महामंत्री अरविंद अजमेरा ने सभी के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

वेद ज्ञान

संसार का निर्माण करने में मां का योगदान

जन्म देने वाली सत्ता व शक्ति का नाम माता है। सारा संसार वा मनुष्य अपनी अपनी माताओं से उत्पन्न होते वा जन्म लेते हैं। यदि मां न होती तो संसार में कहीं मनुष्य व अन्य प्राणी जो माताओं से उत्पन्न हुए हैं, दिखाई न देते। यह सृष्टि यदि चल रही है तो उसमें जन्मदात्री मां की भूमिका सर्वापरि अनुभव होती है। मनुष्य की अनेक मातायें होती है। ईश्वर भी हमारी माता है। वेदों में ईश्वर को माता कहा गया है। ईश्वर संसार में सभी माताओं की भी माता है। उसी ने इस सृष्टि वा भूमि माता को बनाया है। हमारी यह भूमि माता सूर्य के चक्र लगाती है। इस कारण भूमि को सूर्य की पुत्री कह सकते हैं। वैज्ञानिक लोग भूमि को सूर्य से पृथक हुआ एक हिस्सा ही मानते हैं। इससे भी भूमि सूर्य से उत्पन्न होने से सूर्य की पुत्री कही जा सकती हैं। भूमि माता और हमारी जन्मदात्री माता के समान ही गौ माता भी है जो अपने अमृततुल्य दुग्ध व बैल आदि से हमारा पोषण करती है। वैदिक धर्म व संस्कृति में गोपालन को आवश्यक बताया गया है। जो गोपालन करेगा वह गौमाता के शुद्ध दुग्ध को प्राप्त कर सकता है और उस दुग्ध के गुणों से उसका शरीर निरोग व बलिष्ठ बनकर जीवन में सफलतायें व साध्य को प्राप्त कर सकता है। गौदुग्ध से मनुष्य की बुद्धि को भी शक्ति मिलती है। प्राचीन काल से हमारे गुरुकुलों में गोपालन को अनिवार्य रूप से करने और गौमाता के दुग्ध का ही सेवन करने की परम्परा है। योगेश्वर कृष्ण जी का गोपालक होना प्रसिद्ध ही है। उनका तो एक नाम भी गोपाल कहा जाता है। गौदुग्ध वा गोपालन के ही कारण ही हमारे देश में वेद ऋषि उत्पन्न होते थे और हमारा देश विश्व में धर्म व संस्कृति का ज्ञान देने वाला प्रथम व अग्रणीय देश था। वेदों की उत्पत्ति का गौरव भी ईश्वर ने भारत व इसके प्राचीन नाम आर्यावर्त्त को ही प्रदान किया है। हम मनुष्यों की बात कर रहे हैं। सभी मनुष्यों की एक माता होती है जिसने हमें जन्म दिया है। हम जीवात्मा के रूप में माता के गर्भ में आते हैं और फिर वहां दस मास तक रहकर एक शिशु के रूप में विकसित होकर जन्म लेते हैं।

संपादकीय

लिंग निर्धारण के लिए पुरुष का गुणसूत्र जिम्मेदार न कि महिला का!

समाज में ऐसी धारणाओं की वजह से न जाने कितनी मुश्किलें अपने जटिल स्वरूप में कायम हैं, जिनका तथ्यों से कोई लेना-देना नहीं होता। किसी परिवार में बेटी के जन्म को लेकर उसकी मां को जिम्मेदार मानना भी एक ऐसी ही धारणा है, जिसकी वजह से न जाने कितनी महिलाओं को परिवार और समाज में मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। बहुत सारे लोग पहले से कायम इस तरह की बातों पर आंख मूंद कर

विश्वास करते हैं और इस वजह से किसी महिला को अपमानित या प्रताड़ित करने से भी नहीं हिचकते। ऐसी खबरें अक्सर आती रहती हैं, जिनमें ऐसे दुराग्रह के कारण परिवार की प्रताड़ना से तंग आकर किसी महिला ने आत्महत्या कर ली या उसकी हत्या कर दी गई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऐसे ही एक मामले में समाज को आईना दिखाया है कि बेटी के जन्म को लेकर प्रचलित धारणाएं विज्ञान के लिहाज से एक झूठ पर आधारित हैं। दरअसल, ऐसे पूर्वाग्रहों पर विश्वास करने वाले लोग न तो तथ्यों को खोजने-जानने का प्रयास करते हैं, न ही अपने विवेक का इस्तेमाल करते हैं। आमतौर पर वे निराधार बातों को भी सच मान कर किसी महिला के खिलाफ अक्सर संवेदनहीनता की हद पार कर जाते हैं। यही वजह है कि अदालत ने ऐसे लोगों को शिक्षित करने की जरूरत बताई है, जो अपने ''वंश वृक्ष को सुरक्षित रखने'' की जिम्मेदारी अपनी बहुओं पर थोपते और उन्हें प्रताड़ित करते हैं। ऐसा करते हुए विज्ञान के इस बुनियादी सिद्धांत पर गौर करना जरूरी नहीं समझा जाता कि अजन्मे बच्चे के लिंग निर्धारण के लिए पुरुष का गुणसूत्र जिम्मेदार होता है, न कि महिला का। गौरतलब है कि दिल्ली उच्च न्यायालय में दहेज मामले की सुनवाई के दौरान एक महिला के परिजनों ने आरोप लगाया था कि उनकी बेटी को उसके ससुराल वाले दहेज की मांग करने के साथ-साथ इसलिए भी प्रताड़ित करते थे कि उसने दो बेटियों को जन्म दिया था। लगातार यातना से परेशान होकर पीड़ित महिला ने आत्महत्या कर ली थी। अव्वल तो बेटी के बजाय बेटा पैदा होने की इच्छा पालना ही अपने आप में लैंगिक भेदभाव का स्रोत है और यह किसी समाज के सोच के स्तर पर पिछड़े होने का सबूत भी है। दूसरे, विज्ञान के विकास के इस चरम दौर में भी लोग अपने पूर्वाग्रहों के बरक्स वैज्ञानिक हकीकतों से मुंह चुराते रहते हैं। हालांकि यह स्कूली शिक्षा के दौरान ही बच्चों को पढ़ाया-बताया जाता रहा है कि महिला के भीतर सिर्फ एक्स-एक्स गुणसूत्र होते हैं, जबकि पुरुषों में एक्स और वाई, दोनों गुणसूत्र होते हैं। अंडाणु एक्स या वाई गुणसूत्र से जुड़ता है या नहीं, इसी पर लड़के या लड़की का जन्म निर्भर होता है। मगर तथ्यों को जानना-समझना लोगों को जरूरी नहीं लगता कि गर्भवती महिला बेटे को जन्म देगी या बेटी को, यह उसके पति के गुणसूत्र पर निर्भर होता है। पारंपरिक या जड़ आख्यानों से तैयार प्रतिगामी मानसिकता की वजह से इस वैज्ञानिक सच से अनजान या इसकी अनदेखी करते हुए लोग कई बार बेटी को जन्म देने के लिए बहू को अलग-अलग तरीके से अपमानित करते, यातना देते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भूकंपरोधी व्यवस्था

हाल में जापान में आए विनाशकारी भूकंप ने भारतीय हिमालय में बसे लोगों को भी डरा दिया है। डरना भी स्वाभाविक ही है क्योंकि विश्व की सबसे युवा पर्वत श्रृंखला हिमालय भी भूगर्वीय हलचलों के कारण भूकंप की दृष्टि से कोई कम संवेदनशील नहीं है। भूवैज्ञानिकों का यहां तक मानना है कि हिमालय के गर्भ में इतनी भूगर्वीय ऊर्जा जमा है कि अगर वह अचानक एक साथ बाहर निकल गई तो उसका विनाशकारी प्रभाव कई परमाणु बमों के विस्फोटों से भी अधिक हो सकता है। चूंकि जापान के लोग भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के साथ जीना सीख चुके हैं इसलिए वहां बड़े भूकंप में भी जन और धन की बहुत कम हानि होती है जबकि भारत में मध्यम परिमाण का भूकंप भी भारी तबाही मचा देता है। कारण प्रकृति के साथ सामंजस्य और जन जागरूकता की कमी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के भूकंप के चार्ट पर नजर डालें तो 15 दिसम्बर 2023 से 1 जनवरी 2024 की 15 दिन की अवधि में भारत में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक रिक्टर पैमाने पर 1.8 से 6 परिमाण तक के कुल 74 भूकंप दर्ज हैं और इनमें से सर्वाधिक 64 भूकंप नेपाल और हिमालयी राज्यों में आए हैं क्योंकि नेपाल उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्यों से जुड़ा है और इसकी साइस्मिक स्थिति इन्हीं राज्यों के समान है। इसलिए हम नेपाल की गिनती हिमालयी राज्यों से कर रहे हैं। हिमालयी राज्यों में भी सर्वाधिक 24 भूकंप जम्मू-कश्मीर और लेह-लद्दाख में दर्ज हुए हैं। इनमें भी सर्वाधिक 11 भूकंपों का केंद्र किस्तवाड़ रहा है। इनके अलावा उत्तराखंड में 6 और हिमाचल में 5 भूकंप दर्ज हुए हैं। इसी तरह पूर्वोत्तर में ईस्ट और वेस्ट गारो हिल्स मणिपुर अरुणाचल मीजोरम और नागालैंड में भूकंपों की आवृत्ति दर्ज हुई है। नेपाल में 4 नवम्बर से 8 नवम्बर 2023 तक 2.8 से 5.6 परिमाण के 17 भूकंप दर्ज किए गए। वहां एक ही दिन 4 नवम्बर को 2.8 से 3.7 परिमाण के 8 भूकंप दर्ज किए गए। भारत की संपूर्ण हिमालयी बेल्ट 8.0 से अधिक तीव्रता वाले बड़े भूकंपों के लिए अति संवेदनशील मानी जाती है। इसका मुख्य कारण भारतीय प्लेट का यूरेशियन प्लेट की ओर लगभग 50 मिमी. प्रति वर्ष की दर से खिसकना है। हिमालय क्षेत्र और सिंधु-गंगा के मैदानों के अलावा यहां तक कि प्रायद्वीपीय भारत में भी विनाशकारी भूकंपों का खतरा है। देश के वर्तमान भूकंपीय जोनेशन मैप के अनुसार भारतीय भू-भाग का 59 प्रतिशत हिस्सा सामान्य से बहुत बड़े भूकंप के खतरे की जद में है। भारत में भी संपूर्ण हिमालय क्षेत्र को रिक्टर पैमाने पर 8.0 अंक की तीव्रता वाले बड़े भूकंप के प्रति प्रवृत्तिमय माना गया है। इस क्षेत्र में 1897 शिलांग (तीव्रता 8.7) 19.5 में कांगड़ा (तीव्रता 8.0) 1934 बिहार-नेपाल (तीव्रता 8.3) और 1950 असम-तिब्बत (तीव्रता 8.6) के बड़े भूकंप आ चुके हैं। नेपाल में 25 अप्रैल 2015 का 8.1 परिमाण का अब तक का सबसे भयंकर भूकंप था जिसमें 8649 लोग मारे गए थे और 2952 घायल हुए थे। दरअसल बहुत छोटे भूकंप की तीव्रता ऋणात्मक संख्या भी हो सकती है। आम तौर पर 5.0 से अधिक तीव्रता वाले भूकंप के कारण जमीन में इतनी तेज गति होती है कि संरचनाओं को काफी नुकसान हो सकता है।

बेजान पंछियों की जान बचाकर मनाये मकर संक्रांति : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर भक्तों को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - आपका जीवन पतंगों की तरह खुशियों से सरोबार हो और आप पतंग की तरह दिन दूनी , रात चौगुनी आसमान की ऊंचाइयों को छुये व साथ में सदैव प्रसन्नचित्त रहे।जिसे कही भी अगर पतंग की उलझी डोर नजर आये उसे आप समेट कर कूड़े दान में डालकर एक पुण्य के कार्य में सहभागी बने ।ऐसी डोर में अक्सर बेजान पंछी उलझ जाते है और जान गंवा देते हैं। हमें खुशियां किसी को परेशान करके नहीं बल्कि सबको खुशी देकर मनानी है। विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर जितेंद्र मारोठ वाले मालवीय नगर , जयपुर एवं डॉक्टर ज्ञानचंद जैन सोगानी चनानी वाले लालकोठी , जयपुर ने माताजी का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

मकर सक्रांति पर्व मनाया : गायों को गुड एवं चारा खिलाया

टोंक। आदिनाथ शुभकामना परिवार महिला मंडल पुरानी टोंक ने रविवार को मकर सक्रांति के पावन अवसर पर पांच मंदिर स्थित माणक चौक परिसर में गायों को गुड एवं चारा खिलाकर मकर संक्रांति पर्व मनाया। संयोजक मधु लुहाडिया ने बताया कि मकर संक्रांति के पावन अवसर पर प्रातः सर्वप्रथम गौ माता का तिलक एवं माला पहनाकर स्वागत किया तत्पश्चात हरा एवं सुखा चारा खिलाया गुड़ की लापसी बनाई एवं गौ माता को खिलाकर गौ माता का आशीर्वाद लिया इस अवसर पर संतरा सोनी, मधु लुहाडिया, सीमा सोनी,संजू सोनी, मंजू जैन आदि ने मोहल्ले के बच्चों को पतंगे बांटी एवं सभी के साथ मिलजुल कर मकर संक्रांति पर्व मनाया।

जैन सोशल ग्रुप कैपिटल द्वारा पतंगबाजी का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप कैपिटल का पतंगबाजी तथा लोहड़ी का आयोजन शानदार तरीके से कंवर नगर स्थित अग्रवाल सेवा समिति धर्मशाला में किया गया। संयोजक विनोद सुधा जैन व शांति बीना पटनी ने बताया कि हवामहल, विधानसभा क्षेत्र के क्षेत्रीय विधायक आचार्य बालमुकुंद जी ने उपस्थिति होकर कैपिटल के सभी सदस्यों का मन मोह लिया। संस्थापक अध्यक्ष सुभाष जी पांडे व संयोजक विनोद सुधा जैन ने स्वामी जी का दुपट्टा पहन कर स्वागत किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में 22 जनवरी को दिवाली के रूप में घर में सजावट करने का संदेश दिया। मंदिरों से संबंधित व साफ सफाई से संबंधित, वह अन्य कोई भी प्रकरण के लिए कहा कि मेरे दरवाजे जैन समाज के लिए हमेशा खुले हुए हैं। ग्रुप अध्यक्ष अनिल प्रेम रावका व सचिव प्रमोद जैन के अनुसार शानदार खाने का इंतजाम किया गया था वह मनोज मनवानी द्वारा शानदार डीजे पर प्रस्तुति दी गई एक-एक सदस्य को उन्होंने मंच पर बुलाकर डांस कराया। अंत में संस्थापक सुभाष पांड्या के निर्देशन में लोहड़ी का प्रोग्राम शानदार तरीके से मनाया गया।

खतरे की घंटी: एंटीबायोटिक का दुरुपयोग

एंटीबायोटिक्स महत्वपूर्ण औषधियाँ हैं। कई एंटीबायोटिक्स बैक्टीरिया से होने वाले संक्रमण (जीवाणु संक्रमण) का सफलतापूर्वक इलाज कर सकते हैं। एंटीबायोटिक्स बीमारी को फैलने से रोक सकते हैं। और एंटीबायोटिक्स गंभीर रोग जटिलताओं को कम कर सकते हैं। लेकिन कुछ एंटीबायोटिक्स जो बैक्टीरिया संक्रमण के लिए विशिष्ट उपचार हुआ करते थे, अब उतना अच्छा काम नहीं करते हैं। और कुछ दवाएं कुछ जीवाणुओं के विरुद्ध बिल्कुल भी काम नहीं करती हैं। जब कोई एंटीबायोटिक बैक्टीरिया के कुछ उपभेदों के खिलाफ काम नहीं करता है, तो उन बैक्टीरिया को एंटीबायोटिक प्रतिरोधी कहा जाता है। एंटीबायोटिक प्रतिरोध दुनिया की सबसे जरूरी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। सर्दी और अन्य वायरल बीमारियों के लिए एंटीबायोटिक्स लेना काम नहीं करता है - और यह ऐसे बैक्टीरिया पैदा कर सकता है जिन्हें मारना कठिन होता है। बहुत बार या गलत कारणों से एंटीबायोटिक लेने से बैक्टीरिया में इतना बदलाव आ सकता है कि एंटीबायोटिक्स उनके खिलाफ काम नहीं करते हैं। इसे जीवाणु प्रतिरोध या एंटीबायोटिक प्रतिरोध कहा जाता है लेकिन अगर कोई व्यक्ति बार-बार एंटीबायोटिक का इस्तेमाल कर रहा है तो बैक्टीरिया उस दवा के खिलाफ अपनी इम्युनिटी डेवलप कर लेती है. इसके बाद इसे ठीक करना काफी ज्यादा मुश्किल होता है. इसे ही एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस कहते हैं. ऐसी स्थिति में इलाज तो ठीक से हो नहीं पाता बल्कि लिवर में टॉक्सिन जमा होने लगता है. राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र ने हाल ही में एक सर्वेक्षण में पाया कि अध्ययन के लिए सर्वेक्षण किए गए लगभग 10,000 अस्पताल के मरीजों में से आधे से अधिक को संक्रमण का इलाज करने के बजाय रोकने के लिए एंटीबायोटिक्स दिए गए थे। यह एक चिंताजनक संकेत है क्योंकि भारत दुनिया भर में दवा प्रतिरोधी रोगजनकों के सबसे बड़े बोझ में से एक है, जिससे रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) के बड़े मामले सामने आते हैं। एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग - विशेष रूप से तब एंटीबायोटिक लेना जब वे सही उपचार न हों - एंटीबायोटिक प्रतिरोध को बढ़ावा देता है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों के अनुसार, लोगों में लगभग एक-तिहाई एंटीबायोटिक का उपयोग न तो आवश्यक है और न ही उचित है। एंटीबायोटिक्स बैक्टीरिया से होने वाले संक्रमण का इलाज करते हैं। लेकिन वे वायरस से होने वाले संक्रमण (वायरल संक्रमण) का इलाज नहीं करते हैं। उदाहरण के लिए, बैक्टीरिया के कारण होने वाले स्ट्रेप गले के लिए एंटीबायोटिक सही इलाज है। लेकिन यह

अधिकांश गले की खराश के लिए सही इलाज नहीं है, जो वायरस के कारण होती हैं। भारत ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपी-एएमआर) को लागू करके, रोगाणुरोधी प्रतिरोध कम करने में एक बड़ा कदम उठाया है, जो दुनिया भर में बढ़ती चिंता का विषय बन रहा है। यह रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर भारत की राष्ट्रीय कार्य योजना का एक प्रमुख घटक है। यह रणनीति स्वास्थ्य कर्मियों, आम जनता के साथ-साथ पशु चिकित्सा और कृषि उद्योगों में हितधारकों को शिक्षित करने के महत्व पर जोर देती है। यह शैक्षिक पहल जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देने और एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग को कम करने में महत्वपूर्ण है। योजना मानती है कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध केवल मानव स्वास्थ्य के लिए एक चुनौती नहीं है; यह पशु चिकित्सा और पर्यावरणीय सेटिंग में एंटीबायोटिक के दुरुपयोग का भी परिणाम है। जिनमें स्वास्थ्य, पशुपालन, कृषि और पर्यावरण के लिए जिम्मेदार मंत्रालय शामिल हैं। रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर राष्ट्रीय कार्य योजना मजबूत डेटा संग्रह और निगरानी के महत्व को रेखांकित करती है। इसमें कृषि, मानव स्वास्थ्य और पशु चिकित्सा क्षेत्रों में एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग की बारीकी से निगरानी करना शामिल है। हर दिन, हजारों लोग संक्रामक रोगों के इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती होते हैं जिन्हें एंटीबायोटिक चिकित्सा की आवश्यकता होती है। अस्पताल में भर्ती मरीजों के बीच एंटीबायोटिक का दुरुपयोग रोगाणुरोधी प्रतिरोध , प्रतिकूल घटनाओं और उपचार लागत का प्रमुख कारण है । प्रभावी और तर्कसंगत चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए अस्पताल की सेटिंग में एंटीबायोटिक सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। इस बात के प्रमाण बढ़ रहे हैं कि मरीजों के लिए एंटीबायोटिक नुस्खे बढ़ाने के उपायों से मरीजों को मदद मिल सकती है। स्वास्थ्य देखभाल चिकित्सकों को अनुचित इनपेशेंट प्रिस्क्राइबिंग को कम करने में सहायता करने के लिए, यह निर्धारित करना आवश्यक है कि अस्पतालों में कितनी बार गलत इनपेशेंट प्रिस्क्राइबिंग होती है और कम प्रिस्क्राइबिंग से मरीजों को कितना लाभ होगा। एंटीबायोटिक नुस्खे दिशानिर्देशों की निगरानी और अनुपालन को लागू करने के लिए एक मजबूत नियामक ढांचा होना चाहिए। इसमें गैर-अनुपालन को दंडित करने और अनुपालन को प्रोत्साहित करने के तंत्र शामिल हैं। एंटीबायोटिक प्रतिरोध पैटर्न की नियमित निगरानी महत्वपूर्ण है। दिशानिर्देशों की प्रभावशीलता का आकलन समय के साथ प्रतिरोध पैटर्न में परिवर्तनों को ट्रैक करने और सुधारात्मक कार्रवाई करने की क्षमता से किया जा सकता है। प्रतिरोध को कम करने के लिए आरक्षित एंटीबायोटिक दवाओं तक पहुंच को प्रतिबंधित करना महत्वपूर्ण है। एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग और दुरुपयोग एंटीबायोटिक प्रतिरोध के प्रमुख कारक हैं। आम जनता, स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता और अस्पताल सभी दवाओं का सही उपयोग सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं। इससे एंटीबायोटिक प्रतिरोध की वृद्धि कम हो सकती है। स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर और विशेष रूप से फार्मासिस्ट दवा के दुरुपयोग और दवा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं/निभा सकते हैं। फार्मासिस्टों द्वारा उचित और प्रभावी रोगी शिक्षा और परामर्श नैदानिक, आर्थिक और मानवतावादी परिणामों सहित रोगियों के इलाज के लिए वांछित परिणाम प्राप्त करने की कुंजी है। दवाओं को लिखते और वितरित करते समय रोगियों को उनके बारे में शिक्षित करके और वे उनका उचित उपयोग कैसे कर सकते हैं, दवा के दुरुपयोग और दुरुपयोग को रोका/कम किया जा सकता है। दवाओं के दुरुपयोग और दुरुपयोग की जटिलताओं के बारे में जनता, रोगियों और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के बीच जागरूकता बढ़ाना बहुत महत्वपूर्ण और आवश्यक है। दवाओं के दुरुपयोग और दुरुपयोग को रोकने के लिए दवा वितरण नियमों का पालन करना और निर्धारित और नियंत्रित दवाओं का वितरण रोकना बहुत महत्वपूर्ण है।

- डॉ. सत्यवान सौरभ,
कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट,

बाहरी चुनौतियों से पार पाने के लिए पारिवारिक ऊर्जा और चेतना ही हमें संबल दे सकती

विजय गर्ग. शाबाश इंडिया

भटकने को तो कहीं भी भटक लो, लेकिन भटकते-भटकते एक समय ऐसा भी आता है कि जब घर की याद सताने लगती है। जितना सुकून हमें अपने घर में मिलता है, बाहरी दुनिया में नहीं मिलता। लेकिन हमारे जीवन क्रम में अनेक अवसरों पर ऐसे योग-संयोग बन जाते हैं कि हमें बाहरी दुनिया से रूबरू होने का अवसर मिल जाता है। अजनबी जगह जाने पर कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में हम अपनी जरूरतों के लिए अन्य लोगों पर निर्भर रहते हैं। यह बड़ी अजीब बात है कि रोजमर्रा की जीवनशैली से भी हम कभी न कभी उकता जाते हैं। बोलचाल की भाषा में कहें तो हवा बदलने की तलब लगने लगती है। विचार आता है कि कहीं तीर्थाटन चलें या कहीं पर्यटन पर पर्यटन वैसे भी ज्ञान का एक खास स्रोत है और इससे कौन समृद्ध नहीं हुआ है ! कभी-कभी देश की सीमा से पार जाकर दुनिया देखने की हूक भी उठती है, जिसके चलते गाढ़े परिश्रम से अर्जित धन को खर्च करने में भी हम हिचकते नहीं नए परिवेश में जाकर हमें अपनी सामान्य दिनचर्या में कुछ आवश्यक तब्दीलियां भी करनी पड़ती हैं। आखिरकार नए लोग और नई दिनचर्या तथा जीवनशैली के प्रति हमारा आकर्षण चाहे कितना भी प्रबल हो, लेकिन रह-रहकर घर की याद सताने लगती है और हम एक निश्चित अंतराल से अपने घर की ओर लौट जाते हैं। हर एक छोटी-बड़ी यात्रा हमें अपने जीवन में नई सीख देती है। नए-नए लोगों से मिलना, उनके रहन-सहन और खानपान के साथ-साथ आचार-विचार और व्यवहार का अध्ययन करना हमें बहुत कुछ सिखा देता है। हर किसी की अपनी घर की दुनिया होती है, जिस पर सभी लोग गर्वित होते हैं। वहां भांति-भांति के रिश्तों की डोर से हम बंधे होते हैं। लेकिन यह बंधन हमें निरंतर नई ऊर्जा और प्रेरणा से सराबोर रखता है। परिवार में हम अलग-अलग

संबोधन से जाने जाते हैं। हर एक संबोधन की गरिमा का हमें विशेष खयाल रखना होता है। आमतौर पर हम रखते ही हैं। परिवार के किसी सदस्य की छोटी से छोटी उपलब्धि पर भी हम प्रसन्नता से भर जाते हैं। सदस्य विशेष के विकट दौर में हम गहरे अवसाद में डूब जाते हैं। परस्पर एक दूजे का दर्द समझते हुए उसे दूर करने का हर संभव प्रयास भी किया करते हैं। हम अपने परिवार के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वहन विशुद्ध रूप से कर्तव्य भाव से ही करते हैं। जब हम अपने कर्तव्यों का भलीभांति पालन कर चुके होते हैं, तब अंतर्मन में असीम संतुष्टि का बोध होने लगता है। परिवार से मिली ऊर्जा हमें थकने नहीं देती। इन तमाम संदर्भों में यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि परिजनों में परस्पर वैचारिक सामंजस्य स्थापित करने की दिशा में हम निरंतर प्रयत्नशील रहें। बहुत स्वाभाविक है कि हर एक सदस्य की अपनी अलग विशिष्ट विचारधारा हो सकती है। सबकी अपनी-अपनी भूमिका होती है या फिर वक्त के साथ वे नई भूमिकाएं चुनते हैं। किसी भी विषय को अपनी बुद्धि और विवेक के आधार पर अलग-अलग नजरिए से देखा जाना भी बहुत स्वाभाविक होता है। ऐसे में परिवार के तमाम सदस्य एक-दूसरे की भावनाओं का खयाल रखते हुए वैचारिक मतभेद के बावजूद परस्पर एकजुट रहने का प्रयास करें, तो बहुत बेहतर हो। यों भी अनेकता में एकता का ताना-बाना हमारी मूलभूत संस्कृति से जुड़ा हुआ है। इस नाते परिवार में सुख-शांति और सुकून का वातावरण निर्मित करने में हमारी अपनी सहभागिता होनी चाहिए। अन्यथा अनेक अवसरों पर देखा गया है कि परस्पर सामंजस्य के अभाव में अलग-अलग रिश्तों में अलग-अलग तरह की दरारें उत्पन्न हो जाती हैं। दरअसल, हमें इस संदर्भ में संयुक्त परिवार के आचरण और व्यवहार को दृष्टिगत रखना होगा। ऐसा करने पर ही हम अपने सुखी समृद्ध परिवार की परिकल्पनाओं को साकार सिद्ध कर सकते हैं। यह सब इसलिए भी अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि सारे जहां में सारे जहां की खुशियां हमें अपने घर परिवार से ही मिला करती हैं। दरअसल, अपना घर परिवार ही हमें अपने अंतर्मन में असीम आनंद की दिव्य अनुभूति करा सकता है अन्यथा व्यवहार में यह भी देखा गया है कि तमाम भौतिक सुख समृद्धि के बावजूद परिवार के सदस्यों में सामंजस्य के अभाव के चलते मन का सुकून कोसों दूर जा चुका हो। इसलिए यह जरूरी है। कि जीवन का वास्तविक आनंद प्राप्त करने के निमित्त हम अपने घर परिवार में परस्पर सौहार्दपूर्ण संबंधों का ऐसा ताना-बाना बुनें, ताकि हर पल प्रसन्न रह सकें। अन्यथा बाहरी दुनिया की तमाम चुनौतियों से जूझते- जूझते हम कहीं टूट न जाएं। अगर कभी ऐसा होता है तो फिर इस दुर्लभ मानव भाव की महत्ता को तो हम कभी अनुभव ही नहीं कर सकेंगे। बाहरी चुनौतियों से पार पाने के लिए पारिवारिक ऊर्जा और चेतना ही हमें संबल दे सकती है।

विजय गर्ग:
सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार पंजाब

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर कीर्तिनगर, जयपुर
प्रबन्धकारिणी समिति

शपथ ग्रहण समारोह

सोमवार 15 जनवरी, 2024
समय प्रातः 10:00 बजे

मुख्य अतिथि :
माननीय कालीचरण जी सराफ
विधायक-मालवीय नगर

स्थान :
जैन भवन, कीर्तिनगर, जयपुर

निवेदक

अरूण काला अध्यक्ष | प्रेम कुमार रांवका उपाध्यक्ष | जगदीश जैन महामंत्री | राज कुमार जैन मंत्री | राजेन्द्र कुमार पाटनी सांस्कृतिक एवं कला मंत्री | आशीष बैद प्रचार-प्रसार मंत्री | सुरेन्द्र कुमार गोधा कोषाध्यक्ष

भागचन्द जैन सदस्य | देवेन्द्र जैन सदस्य | मनीष शाह सदस्य | नवनीत सोगानी सदस्य | राजेन्द्र बजाज सदस्य | उम्मेद मल पाण्ड्या सदस्य

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप मैत्री जयपुर का गौ सेवार्थ कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष जैन रत्न आदरणीय स्वर्गीय श्री प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल की 76वीं जन्म जयंती के अवसर पर गौ सेवा का कार्यक्रम दिगंबर जैन सोशल ग्रुप मैत्री जयपुर द्वारा दिनांक 13 जनवरी 2024 शनिवार को प्रातः 9:00 बजे दुगार्पुरा स्थित गौ सेवा केंद्र मे गौ सेवा कर मनाया गया । वहां गायों को हरा चारा ,रोटी, गुड एवं सब्जियां खिलाई गई। इस कार्यक्रम में ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष अतुल -नीलिमा बिलाला, समन्वयक आलोक- विशाखा, सचिव अजय -शशि रानी, कोषाध्यक्ष रविंद्र-अलका उपाध्यक्ष राजेश सोनल, नवनीत दीपिका, खेल सचिव रितेश अजमेरा अमित प्रीति एवम ग्रुप सदस्य पवन मीना , निर्मल शशी , प्रमोद नीतू एवम अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

वैर,पाप और अभिमान छोड़कर सभी प्राणियों के प्रति करें मंगल कामना

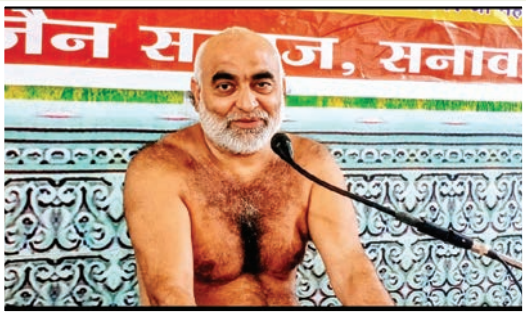

सनावद. शाबाश इंडिया

हम दूसरों के प्रति जैसा विचार (भाव) रखेंगे, वैसा ही फल मुझे मिलेगा। इसलिए मन,वचन और शरीर (काय) को हमेशा पवित्र रखना चाहिए। दान देने से धन हमेशा बढ़ता है। एक रोटी दान देने से प्राणी को जीवन मिलता है। अतः हमेशा यह भावना रखें कि संसार के सभी प्राणी सुखी रहे, विपरीत परिस्थितियों में घबराएं नहीं बल्कि परिस्थितियों का सामना करें। वैर, पाप और अभियान को छोड़कर सभी के प्रति मंगल कामना करें। मोक्ष मार्ग की शुरूआत सम्यक आचरण से होती है। सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान और सम्यग्चारित्र तीनों की एकता मोक्ष का मार्ग है। ज्ञान जब क्रिया रूप में परिणत होता है तभी ज्ञान सार्थक होता है। उपरोक्त विचार पूज्य मुनि श्री प्रबोध सागर महाराज ने रविवार को आचार्य शांति सागर वर्धमान देशना निलय में प्रवचन के दौरान व्यक्त किये। व्यक्ति के स्वभाव का वर्णन करते हुए आपने कहा कि मनुष्य जो कुछ भी करता है उससे उसके स्वभाव का पता चल जाता है। अतः कर्म करते समय जो बुरा लगे उसे छोड़ देना चाहिए तथा प्राणियों की रक्षा करते हुए धर्म का पालन करना चाहिए। ज्ञान का फल सांसारिक भोगों की उपेक्षा तथा अहितकारी कार्यों का त्याग करना है। प्रवचन सभा के आरंभ में मंगलाचरण डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने किया। ज्ञानदीप प्रज्वलन प्रिंस जैन सागर तथा राजीव जैन ने किया। मुनि श्री प्रयोग सागर महाराज ने दीपचंद पाटनी तथा मुनि श्री प्रबोध सागर महाराज ने अखिलेश जैन के घर विधिपूर्वक आहार ग्रहण किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

महावीर नगर मित्र मंडल के 12 सदस्य वियतनाम यात्रा पर गए, 18 जनवरी को वापस आयेंगे

जयपुर। महावीर नगर मित्र मंडल के 12 सदस्य 8 दिन के वियतनाम की यात्रा पर 10 जनवरी को रवाना हुए। आयोजक सुरेंद्र पांड्या ने बताया कि अहिंसा, शाकाहार के प्रचार के साथ साथ सभी वियतनाम के दर्शनीय स्थलों का अवलोकन कर 18 जनवरी को वापस जयपुर आयेंगे। इस यात्रा दल में सुरेंद्र मृदुला पांड्या,न्यायमूर्ति एन के जैन मधु जैन, सुरेश नीता काला, सुरेश शशि सोगानी, इंजिनियर कैलाश मंजू जैन, अनिल कुसुम जैन सम्मिलित हैं । यात्रा के अंतर्गत हुचिमन सिटी, दनांग, हनोई आदि स्थानों के दर्शनीय स्थलों का अवलोकन करेंगे।

मकर संक्रांति पर जयपुर की पतंग बाजी की झलकियां

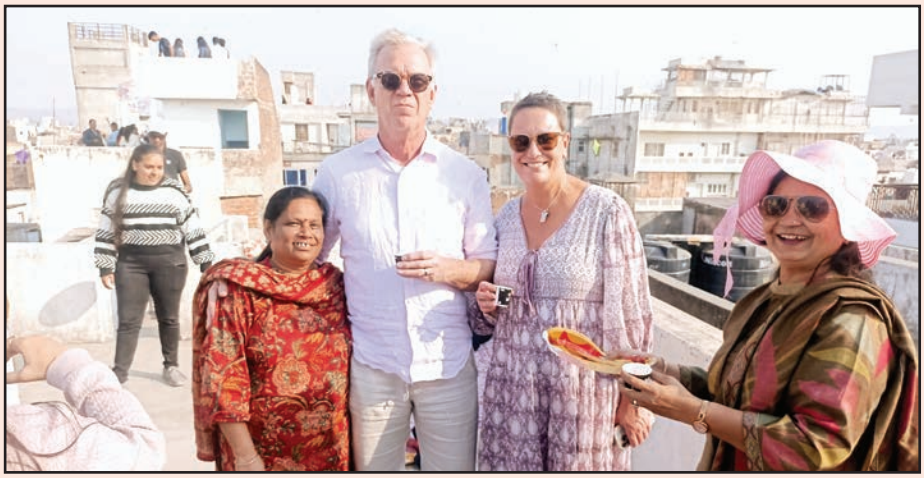

दर्शनोदय तीर्थ थूवौन जी वार्षिक मेला पर उमड़ा भक्तों का समूह

निकली मुनि श्री के सान्निध्य में श्री जी कि भव्य शोभायात्रा। तीर्थ क्षेत्र का विकास के साथ कायाकल्प होना चाहिए : सांसद

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

मध्य भारत के सबसे बड़े तीर्थ दर्शनोंदय अतिशय क्षेत्र थूवोनजी का वार्षिक मेला महोत्सव एवं श्री मद् जिनेन्द्र विमानोत्सव का भव्य आयोजन आज आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य मुनि श्री 108 पद्मसागरजी महाराज के सान्निध्य में प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस के कुशल मार्गदर्शन में दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी के महामस्तिभिषेक कमेटी के आडिटर राजीव चन्देरी एवं कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल को करने का सौभाग्य प्राप्त किया। वहीं ध्वजारोहण कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघई के साथ कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल, विजय धुर्रा, आडिटर राजीव चन्देरी, शैलेन्द्र ददा, विनोद मोदी कोषाध्यक्ष, सौरव वाझल द्वारा प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस के मंत्रोच्चार के वीच किया गया।

निकली प्रभु की भव्य शोभायात्रा

महा मस्तिष्काभिषेक के वाद भगवान जिनेन्द्र देव की भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें आगे बैन्ड वाजे उनके पीछे वालिका नृत्य मंडल उनके पीछे गांव मन्दिर का वाल दल उसके पीछे डांडिया नृत्य करते हुए श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग महिला मंडल सभी को आकर्षित कर रहा था। उनके पीछे लेजम चलाते हुए श्री सुधासागर महिला मंडल उनके पीछे गरवा नृत्य करते हुए श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की बहने चल रही थी। उनके पीछे चन्देरी सेवा दल उनके वाद अशोक नगर आर्जव दिव्य घोष उनके पीछे मुनि श्री पद्मसागरजी महाराज के आगे आगे श्री वीर सेवा दल मुंगावली सभी के आकर्षण का केन्द्र वना था। यह शोभायात्रा आचार्य श्री विद्यासागर जी सभागार में जाकर धर्मसभा में वदल गई।

आचार्य श्री व मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद से आगे बढ़ रहे हैं

जहां मध्य प्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं मुनिपुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज के मार्गदर्शन में तीर्थ क्षेत्र निरन्तर प्रगति कर रहा है हमारी भावना है कि तीर्थ क्षेत्र से सभी जुड़े महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि हमारे वीच सभी अतिथि आये इनका हृदय भाव से स्वागत है। मंत्री विनोद मोदी ने कहा कि आप सभी जन प्रतिनिधियों के सहयोग से हम तीर्थ क्षेत्र को और भी अच्छा वनायेगे। शैलेन्द्र श्रागर के मधुर भजनों के वीच आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण व दीप प्रज्जवलित किया गया ।

सांसद विधायको का स्मृति चिन्ह भेंट कर प्रतिभाओं का किया सम्मान

इसके पहले मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री ब्रजेन्द्र सिंह यादव, सांसद डॉ के पी यादव, अशोक नगर विधायक हरिवावू राय, रामराजा यादव का सम्मान कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू महामंत्री विपिन सिंघाई के साथ किया गया ।अशोक नगर नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया का सम्मान शॉल श्री फल प्रश्सति पत्र भेट कर किया। नपा उपाध्यक्ष श्रीमति श्वेता मनीष कुमार मोदी मुंगावली अशोक नगर समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल का सम्मान कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू मिल उपाध्यक्ष राकेशअमरोद धर्मेन्द्र रोकड़िया गिरिष जैन महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री विनोद मोदी राजेन्द्र हलवाई प्रदीप जैन रानी कोषाध्यक्ष सौरव वाझल प्रचार मंत्री विजय धुर्रा मिडिया प्रभारी अरविंद कचंनार आडिटर राजीवचन्देरी ने सहित अन्य सदस्यों ने किया ।

एक बार मुनिश्री सुधा सागरजी महाराज आ गये तो ये क्षेत्र चमक जायेगा : मुनि श्री

विमान महोत्सव की सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि श्री पद्मसागरजी महाराज ने कहा थूवोनजी तीर्थ क्षेत्र का विकास बहुत अच्छी तरह से हो रहा है जिस दिन मुनिश्री सुधा सागरजी महाराज का पदार्पण हो जाये फिर देखना थूवोनजी कहा पहुंचता है मुझे पूरा विश्वास है कि महाराज श्री इस क्षेत्र में आयेंगे और ये पूरा क्षेत्र चमन हो जायेगा ये तीर्थ नहीं वल्कि देश की संस्कृति का आइना है आने वाला भविष्य इन सांस्कृतिक विरासत को देख कर हमारी संस्कृति को समझेगा मैं तो हमेशा कहता हूं कि धर्म और संस्कृति की सुरक्षा के लिए युवाओं को आगे आना होगा ।

आज द्रोणगिरि में ध्वजारोहण के साथ होगी पंचकल्याणक महामहोत्सव की शुरूआत

रत्नेश जैन.शाबाश इंडिया

द्रोणगिरि (सेंधपा)। बुन्देलखण्ड की पावन भूमि, युगल सरिताओं से सुशोभित प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर लघु सम्मेद शिखर के नाम से सुविख्यात श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि (सेंधपा) की पावन पुण्य वसुंधरा पर भगवान पारसनाथ के 2800वें निर्वाण वर्ष तथा भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निर्वाण वर्ष में परम पूज्य ,भारत गौरव राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज तथा उच्चारणाचार्य श्री विनम्र सागर जी महाराज (पचास से अधिक साधु संत आर्यिका पिच्छिका धारियों) ससंघ के मंगल सान्निध्य में श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक श्री भक्तांबर मानस्तंभ जिनबिम्ब प्रतिष्ठा , गजरथ महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन विविध कार्यक्रमों के साथ आज सोमवार से प्रारंभ हो रहा है। जैन तीर्थ द्रोणगिरि के अध्यक्ष कपिल मलैया, मंत्री सुनील घुवारा व सनत कुटोरा तथा उपाध्यक्ष राजेश रागी ने बताया कि इस महामहोत्सव में विश्व में प्रथम बार विशाल भव्य भक्तांबर मानस्तंभ जिनबिम्ब प्रतिष्ठा , 60 से अधिक जिनबिम्बों की प्रतिष्ठा हेतु 15 से 22 जनवरी 2024 तक पंचकल्याणक महोत्सव विश्व शांति महायज्ञ एवं गजरथ महामहोत्सव के साथ आयोजित होने जा रहा है।

सीए दिनेश कुमार नाटाणी ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर के सेंट्रल जोन में कार्यकारिणी सदस्य बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। आज ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर के सेंट्रल जोन में सीए दिनेश कुमार नाटाणी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। उन्होंने उन पर विश्वास करने के लिए एडवोकेट पंकज घीया, सीए अनिल माथुर, विनय जोली, एडवोकेट संदीप अग्रवाल, राजेश मेहता, विजय नवलखा एवं उनकी सम्पूर्ण टीम का बहुत बहुत आभार प्रकट किया है।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस नवोत्सव के पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस नवोत्सव के पोस्टर का विमोचन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के परिसर में आतिथ्य क्लब रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियो ने किया। इस अवसर पर कॉन्फ्रेंस चेयरमैन सुधीर जैन गोधा ने बताया कि प्रांत 3056 की इस प्रथम कॉन्फ्रेंस में राजस्थान के 700 से ज्यादा रोटेरियन ने अपना रजिस्ट्रेशन करवा लिया है एवं रजिस्ट्रेशन अभी भी जारी है। प्रांतपाल निर्मल कुनावत ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस को प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अनू कपूर,अभिनेत्री अमीषा पटेल,चाणक्य सीरियल फेम चंदर प्रकाश दिवेदी,मैनेजमेंट गुरु एन रघुरामन,डॉक्टर राजीव पुरी,धर्म गुरु वृंदावन दास जी महाराज,पुंडरीक महाराज,वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर सौरभ जैन,रोटरी इंटरनेशनल डायरेक्टर एन सुब्रमण्यम, आर आई पी आर पीडीजी पंकज संबोधित करेंगे। कॉन्फ्रेंस सेक्रेटरी सीए मनोज जैन ने बताया की सदस्यों के मनोरंजन के लिए हिप्नोटिज्म शो,क्विज प्रतियोगिता व रात्रि में मुंबई के प्रसिद्ध सिंगर्स द्वारा दिल्ली के डोरे मि बैंड के सहयोग से 70 के दशक के गानों पर विजुअल प्रस्तुति दी जाएगी। क्लब अध्यक्ष राजेश गंगवाल,कॉन्फ्रेंस वाइस चेयरमैन दिनेश बज ने बताया की सभी क्लब्स जिन्होंने बड़ी संख्या में विभिन्न कैटेगरीज में रजिस्ट्रेशन कराए है उनको मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान किए जायेंगे। इस अवसर पर सहायक प्रांतपाल अशोक जैन, पूर्व अध्यक्ष प्रमोद जैन,क्लब सचिव कमल बड़जात्या, कोषाध्यक्ष संजय अग्रवाल व बड़ी संख्या मे रोटेरियन उपस्थित थे।

पाठशाला के छात्रों ने आचार्य सौरभ सागर की गुरु भक्ति के साथ मनाया संक्रांति पर्व

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर जी में विराजित गुरु सौरभ सागर जी की भक्ति व उत्साह पूर्वक रविवार को प्रताप नगर पाठशाला के विद्यार्थियों द्वारा मकर संक्रांति का उत्सव मनाया गया। सर्व प्रथम प्रताप नगर की जैन सौरभमय पाठशाला से पधारे छात्रों का जैन पाठशाला जनकपुरी के छात्रों द्वारा तिलक लगा कर तथा छात्र अनिकेत द्वारा शाब्दिक स्वागत किया गया। प्रताप नगर के जीतू गंगवाल के नेतृत्व में गुरु चालीसा के अलावा छोटे छोटे बच्चों ने गुरु की भक्ति में शाकाहार कभी ना भुलाना जैसे ज्ञान वर्धक गीत प्रस्तुत किए। लखनऊ से पधारी सुश्री रूपल सहित कई भक्तों द्वारा भी अपनी प्रस्तुतियाँ दी गई । आचार्य श्री द्वारा छात्रों की बाल सुलभ जिज्ञासाओं का भी सुंदर तरीके से समाधान किया गया। गुरु आरती के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

मानव सेवा संकल्प का 11वाँ रक्तदान शिविर सम्पन्न

रक्तदान महाकुंभ में 226 यूनिट हुआ संग्रहित

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। दान पुण्य के महापर्व मकर संक्रांति के पावन दिवस पर मानव सेवा संकल्प का 11वाँ रक्तदान महाकुंभ का आयोजन सातपुलिया स्थित श्री अग्रवाल फतेहपुरिया बगीची में रविवार को किया गया। आयोजक एवं अथितियों ने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर शिविर का शुभारंभ किया। शाम 5 बजे तक चले शिविर में हर आयुवर्ग के रक्तदाताओ का उत्साह देखते ही बन रहा था। मानव सेवा संकल्प के प्रणेता अजय शर्मा ने बताया कि शिविर में राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय ब्यावर ने 155 एवं जेएलएन अजमेर की टीम ने 71 रक्त संग्रहन का कार्य किया। मानव सेवा संकल्प का 11वाँ रक्तदान शिविर था। शिविर में बतौर अथिति पीसीसी सचिव पारस पंच, पूर्व विधायक माणक डाणी, भाजपा मण्डल अध्यक्ष नरेश मित्तल, पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल समाज निर्मल बंसल, अग्रवाल समाज मंत्री श्रवण बंसल, समाजसेवी इन्दरसिंह बागावास, पूर्व सभापति डॉ मुकेश मौर्य, सी ए आर. सी. गोयल,शशिबाला सौलंकी, प्रो जलालुद्दीन काठात, पूर्व प्रधान लाल मोहम्मद, आशीष पाल पदावत, पवन रायपुरिया, शैलेन्द्र गुप्ता, जंवरीलाल सिसोदिया, ओम प्रकाश मिश्रा, मुकेश सोलंकी, आप पार्टी के नीलेश बुरड़, राजेन्द्र ओस्तवाल, मुकेश गर्ग, रोशन बादशाह, चन्द्र शेखर अग्रवाल, अरिहंत कांकरिया ने शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुवे अतिथियों ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक मनुष्य का रक्त दूसरे की जिंदगी बचा सकता है। दान पुण्य के महापर्व के अवसर पर आयोजित शिविर में हुवा दान पीड़ित मानवता की सेवा के उपयोग में आएगा। दान बिना जाति, धर्म के अनजान को दिया जाता हैं, जिसका अपना अलग ही महत्व है।